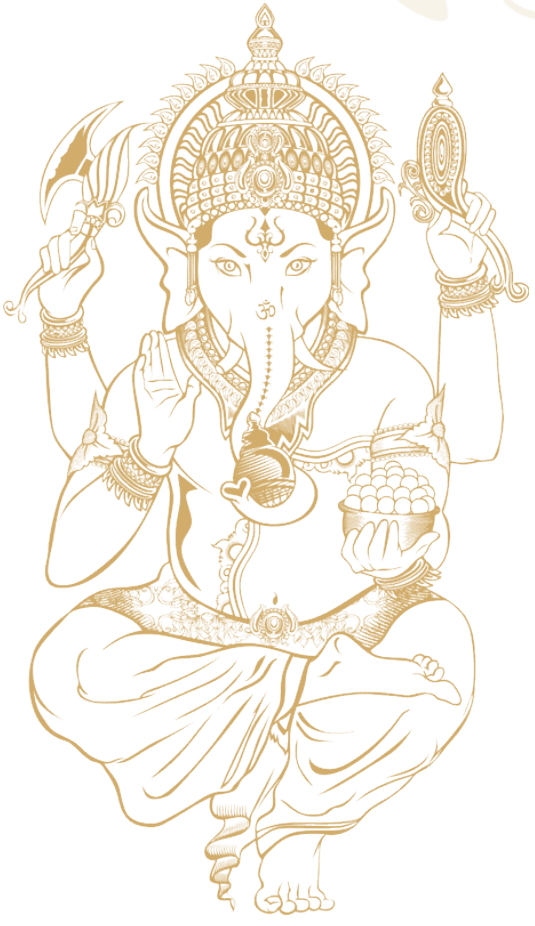

# Utkarsh vaishnav

# Yashshvi bairagi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121006311

| | | |
|---|---|---|
| पुल्लिंग | लिंग | स्त्रीलिंग |
| 19/06/2001 | जन्म तिथि | 19/01/2004 |
| मंगलवार | दिन | सोमवार |
| घंटे 08:05:00 | जन्म समय | 11:55:00 घंटे |
| घटी 05:57:16 | जन्म समय(घटी) | 11:54:38 घटी |
| India | देश | India |
| Indore | स्थान | Indore |
| 22:42:00 उत्तर | अक्षांश | 22:42:00 उत्तर |
| 75:54:00 पूर्व | रेखांश | 75:54:00 पूर्व |
| 82:30:00 पूर्व | मध्य रेखांश | 82:30:00 पूर्व |
| घंटे -00:26:24 | स्थानिक संस्कार | -00:26:24 घंटे |
| घंटे 00:00:00 | ग्रीष्म संस्कार | 00:00:00 घंटे |
| 05:42:05 | सूर्योदय | 07:09:08 |
| 19:13:20 | सूर्यास्त | 18:04:55 |
| 23:52:22 | चित्रपक्षीय अयनांश | 23:54:38 |

| विंशोत्तरी | अंश | राशि | ग्रह | राशि | अंश | विंशोत्तरी |
|---|---|---|---|---|---|---|
| सूर्य 3वर्ष 3मा 23दि | 04:58:49 | कर्क | लग्न | मेष | 02:27:32 | बुध 1वर्ष 7मा 22दि |
| राहु | 04:01:01 | मिथु | सूर्य | मक | 04:35:32 | शुक्र |
| 12/10/2021 | 02:37:57 | वृष | चंद्र | वृश्चि | 28:42:37 | 10/09/2012 |
| 13/10/2039 | 27:08:43 | वृश्चि व | मंगल | मीन | 26:31:40 | 10/09/2032 |
| राहु 24/06/2024 | 00:10:23 | मिथु व | बुध | धनु | 10:47:11 | शुक्र 11/01/2016 |
| गुरु 18/11/2026 | 00:41:53 | मिथु | गुरु व | सिंह | 24:37:10 | सूर्य 10/01/2017 |
| शनि 24/09/2029 | 18:37:30 | मेष | शुक्र | कुंभ | 11:36:59 | चन्द्र 11/09/2018 |
| बुध 12/04/2032 | 13:37:47 | वृष | शनि व | मिथु | 14:22:56 | मंगल 11/11/2019 |
| केतु 01/05/2033 | 12:30:04 | मिथु व | राहु व | मेष | 23:56:47 | राहु 11/11/2022 |
| शुक्र 30/04/2036 | 12:30:04 | धनु व | केतु व | तुला | 23:56:47 | गुरु 12/07/2025 |
| सूर्य 25/03/2037 | 00:47:56 | कुंभ व | हर्ष | कुंभ | 07:00:12 | शनि 10/09/2028 |
| चन्द्र 24/09/2038 | 14:30:53 | मक व | नेप | मक | 18:25:27 | बुध 12/07/2031 |
| मंगल 13/10/2039 | 19:39:37 | वृश्चि व | प्लूटो | वृश्चि | 27:12:43 | केतु 10/09/2032 |

**लग्न-चलित**

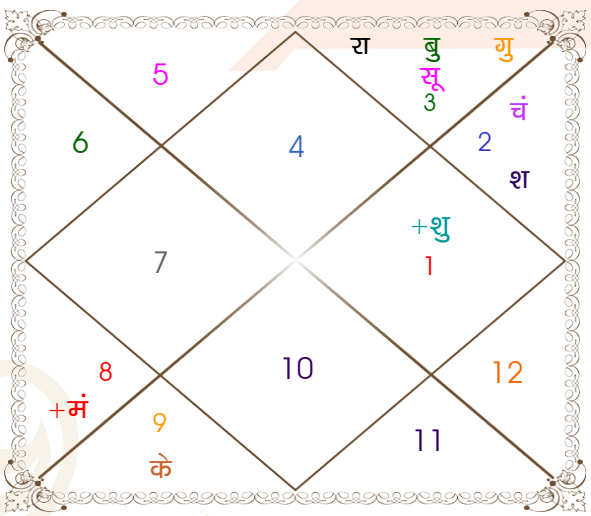


**लग्न-चलित**

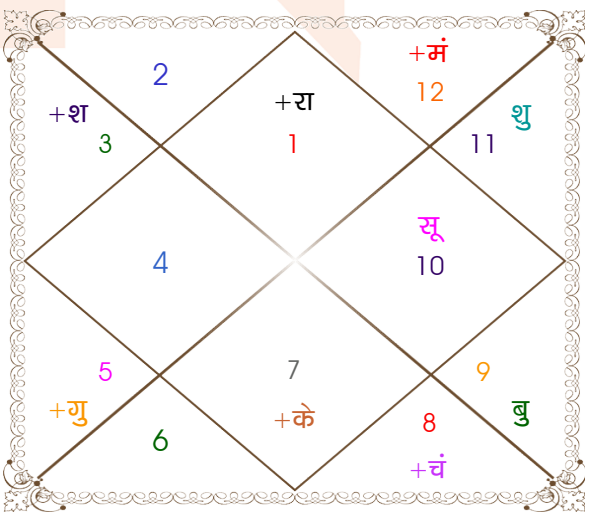

## अष्टकूट गुण सारिणी

| कूट | वर | कन्या | अंक | प्राप्त | दोष | क्षेत्र |
|---|---|---|---|---|---|---|
| वर्ण | वैश्य | विप्र | 1 | 0.00 | -- | जातीय कर्म |
| वश्य | चतुष्पाद | कीटक | 2 | 1.00 | -- | स्वभाव |
| तारा | क्षेम | वध | 3 | 1.50 | -- | भाग्य |
| योनि | मेष | मृग | 4 | 3.00 | -- | यौन विचार |
| मैत्री | शुक्र | मंगल | 5 | 3.00 | -- | आपसी सम्बन्ध |
| गण | राक्षस | राक्षस | 6 | 6.00 | -- | सामाजिकता |
| भकूट | वृष | वृश्चिक | 7 | 7.00 | -- | जीवन शैली |
| नाड़ी | अन्त्य | आद्य | 8 | 8.00 | -- | स्वास्थ्य/संतान |
| कुल : | | | 36 | 29.50 | | |

न्जांतेी अंपेीदंअ का वर्ग गरूड़ है तथा लैंीअप इंपतंहप का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार न्जांतेी अंपेीदंअ और लैंीअप इंपतंहप का मिलान अत्युत्तम है।

## मंगलीक दोष मिलान

न्जांतेी अंपेीदंअ मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

लैंीअप इंपतंहप मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

**शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।**
**तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।**

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु न्जांतेी अंपेीदंअ कि कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।**
**त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि न्जांतेी अंपेीदंअ कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

न्जांती अंपींदंअ तथा लैंीअप इंपतंहप में मंगलीक मिलान ठीक है।

## निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।